

1. प्रश्न - सत्ता में साझेदारी से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर - सत्ता में साझेदारी का अर्थ है - सरकारी क्रिया कलापों में जनता की भागीदारी तथा सरकार के निर्णयों एवं नीति निर्माण में भाग लेना। इस प्रक्रिया को जनता द्वारा प्रभावित किया जाना चाहिए, ताकी नीतियों जनता के अनुसार हों, नीतियों के क्रियान्वयन में जनता की भागीदारी सुनिश्चित हो एवं शासन जनोन्मुखी, उत्तरदायी तथा जन-इच्छा से संचालित हो। इस तरह, सत्ता में जनता की भागीदारी की ये मुख्य पहलू हैं।

2. प्रश्न - लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी क्या महत्व रखती है ?

उत्तर - सत्ता में जनता की साझेदारी लोकतंत्र का आधार है। जब जनता को राज्य के काम काज में भागीदारी मिलती है, तो जनता राज्य के मामले में अधिक रुची लेती है। इससे राजनीति सत्ता को जन समर्पण और सहयोग प्राप्त होता है। राजनीतिक व्यवस्था और अधिक स्थिर होती है और उसका स्थायित्व बढ़ जाता है। इससे क्रांति, विरोध और संशय की जगह जन-संतुष्टि, सहयोग और विश्वास बढ़ता है। इससे राष्ट्र को एक जुटता प्राप्त होती है।

3. प्रश्न - सामाजिक विभेद किस प्रकार सामाजिक विभाजन के लिए उत्तरदायी है ?

उत्तर - वास्तव में सामाजिक विभेद सामाजिक विभाजन और सामाजिक संघर्ष के लिए मूल रूप से उत्तरदायी होता है। प्रत्येक समाज में विभिन्न जाती, धर्म, भाषा और क्षेत्र के लोग निवास करते हैं। सामाजिक विभेद का मूल कारण जन्म को माना जाता है। विविधता अच्छी चीज है परन्तु यह राष्ट्र के लिए हानिकारक है। धर्म, क्षेत्र, भाषा, सम्प्रदाय आदिक नाम पर आपस में उलझना राष्ट्र को कमजोर बनाता है। इससे सामाजिक विभाजन के खतरे बढ़ जाते हैं।

धनः सामाजिक विभेद को मिटाने ही सामाजिक विभाजन को रोकता जा सकता है।



4. प्रश्न - परिवारवाद और जातिवाद बिहार में किस तरह लोकतंत्र को प्रभावित करते हैं?

उत्तर - बिहार की राजनीति में ~~जातिवाद~~ जातिवाद और परिवारवाद एक स्थापित तथ्य बन गया है। १९२० की सदी के सातवें दशक में जातियां राजनीति की धुरी बनकर सामने आईं। जातियों को जोलबंद कर ~~जाति~~ जातीय भावना फैलाई जाती है। उस भावना का इस्तेमाल कर राजनीतिक सत्ता की प्राप्ति की कोशिश की जाती है। जाति के आधार पर चुनाव में प्रत्याशी चुने जाते हैं। मंत्रिमंडल के गठन में जाति का विशेष रूप से ध्यान रखा जाता है। कुलना, बिहार की राजनीति जातियों के बर्तगिर्द घूमती है।

परिवार के लोगों को उ आगे लाने के लिए कोशिश में जाति का तत्व सहायक होता है। यह प्रवृत्ति राजनीति की धुरी और लोकतंत्र की पारदर्शिता को प्रभावित करता है।